31. बचत एवं विनियोग-II

प्रत्येक परिवार अपनी बचत की राशि को ऐसे उत्पादक कार्यों में लगाना चाहता है जिससे अधिकतम लाभ हो और आवश्यकता पड़ने पर वह धन उसे तुरन्त मिल जाए।

वर्तमान युग में धन को निवेश करने के कई साधन उपलब्ध हैं जिसमें निवेशक अपनी इच्छानुसार बचत को निवेश कर लाभ प्राप्त कर कता है।

विनियोग मुख्य रूप से तीन प्रारूपों में किया जा सकता है।

(1) अल्पकालीन विनियोग- जब व्यक्ति अपनी बचत को थोड़े समय के लिए उत्पादक कार्यों में लगाकर धन प्राप्त करना चाहता है तथा आवश्यकता पड़ने पर उस धनराशि को वापस प्राप्त कर सके तब वह अल्पकाली विनियोग करत है, बैंक, डाकखाना, बचत बैंक इसके उत्तम साधन हैं। इसमें ब्याज बहुत कम प्राप्त होता है परन्तु पैसा सुरक्षित रहता है।

(2) दीर्घकालीन विनियोग- यह लम्बे समय के लिए किया जाता है। इसमें ब्याज दर अधिक होती है परन्तु इसका लाभ निश्चित अवधि पूरा होने पर ही मिलता है। इसके प्रमुख साधन-जीवन बीमा, राष्ट्रीय बचत पत्र, किसान विकास पत्र, जनरल प्रोविडेन्ट फण्ड, राज्य बीमा इत्यादि।

(3) जीवनभर के लिए विनियोग- इसमें व्यक्ति जीवनभर के लिए अपनी बचत का विनियोग करता है इसका लाभ परिवार वालों को मिलता है जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिलती है, इसमें धन का विनियोजन करके व्यक्ति भविष्य के प्रति निश्चित रहता है। उदाहरण- जीवन बीमा।

बचत एवं विनियोग के साधन- आय एवं सुरक्षा की दृष्टि से निम्नलिखित साधन प्रमुख हैं।

1. बैंक- बचत एवं विनियोग का सबसे प्रचलित एवं सुरक्षित साधन है बैंक, यह एक ऐसी आर्थिक संस्थान है जो रुपये का लेन-देन करता है। व्यक्ति अपनी बचत को बैंक में जमा करके ब्याज प्राप्त कर सकता है तथा आवश्यकता पड़ने पर निकाल भी सकता है। व्यक्ति चाहे तो बैंक से मकान, जमीन, गहने, शिक्षा आदि के लिए लोन भी प्राप्त कर सकता है।

परिभाषा- प्रो. किनले के अनुसार 'बैंक एक ऐसी संस्था है जो सुरक्षा का ध्यान रखते हुए ऐसे व्यक्तियों को ऋण देती है जिन्हें धन की आवश्यकता होती है तथा ऐसे व्यक्ति जिनके पास अतिरिक्त धन है वे इसमें जमा करा सकते हैं।'

बैंक के मुख्य कार्य-

1. धन जमा करना।
2. ऋण देना।

विनियोग के प्रारूप

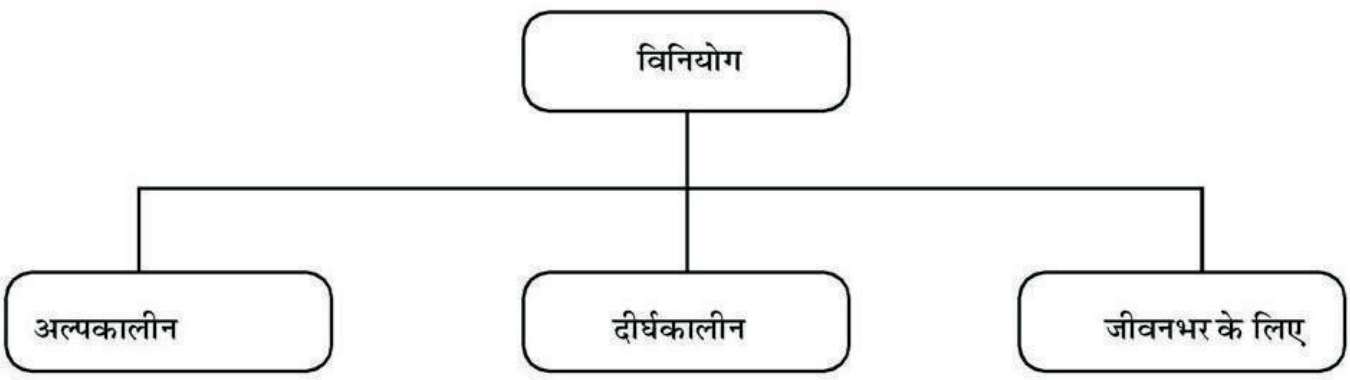

इसके अतिरिक्त बैंक निम्न सुविधाएँ भी उपलब्ध कराता है।

1. चैक एवं डिमाण्ड ड्राफ्ट की सुविधा होती है, जिससे धन का भुगतान सुरक्षित रूप से हो सके।
2. लॉकर की सुविधा होती है जिसमें बहुमूल्य वस्तुएँ जैसे-गहने, जमीन-जायदाद के कागज आदि सुरक्षित रखे जा सकते हैं।
3. यात्री चैक की सुविधा उपलब्ध रहती है ताकि यात्रा में नकदी का जोखिम नहीं उठाना पड़े।
4. क्रेडिट व डेबिट कार्ड की सुविधा होती है जिससे कहीं भी कभी भी 24 घण्टे खरीदी की जा सकती है एवं पैसा भी निकलवाया जा सकता है।

बैंक के खातों के प्रकार-

(i) **बचत खाता-** यह खाता अल्पकालीन बचत को प्रोत्साहित करता है। इसमें व्यक्ति जितना चाहे पैसा जमा करता है। इस खाते को खुलवाने के लिए व्यक्ति को न्यूनतम राशि जो हर बैंक की अलग-अलग है। जमा कर खाता खुलवाया जा सकता है। खाता खुलवाने के बाद खाताधारक को चैक बुक व पास बुक दी जाती है। पास बुक में लेन-देन का ब्यौरा रहता है व चैक बुक से वह आसानी से पैसा निकाल सकता है। बचत खाते में जमा राशि पर बैंक ब्याज देता है। ब्याज की दर समय-समय पर परिवर्तित होती रहती है। वर्तमान में ब्याज दर 4 प्रतिशत है।

(ii) **चालू खाता-** यह खाता व्यापारियों के लिए अच्छा है। इस खाते का मुख्य उद्देश्य धन के लेन-देन में सुविधा प्रदान करना है। इस प्रकार के खाते में ब्याज नहीं दिया जाता है। इस खाते में खाताधारक चाहे जितनी बार पैसा जमा करा व निकाल सकता है।

(iii) **निश्चित अवधि खाता-** इस प्रकार के खातों में धन एक एक निश्चित अवधि के लिए जमा किया जाता है तथा जमाकर्ता धन को अवधि पूरी होने पर ही निकाल सकता है। इसमें अन्य खातों से ब्याज दर अधिक मिलती है। आवश्यकता पड़ने पर जमा राशि पर बैंक ऋण भी देता है। इसमें अवधि के अनुसार ब्याज दर भिन्न-भिन्न होती है।

(iv) **आवर्ती जमा योजना-** इस योजना का मुख्य उद्देश्य लोगों को मितव्ययी बनाकर अल्प बचत के लिए प्रोत्साहित करना है। इस खाते में एक निश्चित धनराशि एक निश्चित समय तक लगातार प्रतिमाह आवश्यक रूप से जमा करानी पड़ती है। निश्चित अवधि के बाद इकट्ठी रकम ब्याज समेत मिल जाती है। जिसे दीर्घकालीन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लगाया जा सकता है। इसमें जमा राशि पर 7.25 प्रतिशत ब्याज मिलता है।

(v) **गृह बचत खाता-** यह खाता घर बैठे ही कोई भी खुलवा सकता है। बैंक के कर्मचारी घर आकर पैसे लेकर जाते हैं व रसीद दे देते हैं। यह खाता लोगों को बचत करना सिखाता है, इसमें पैसा प्रतिदिन, साप्ताहिक, मासिक कभी भी कितना भी डाला जा सकता है। यह खाता गृहिणियों के लिए ज्यादा लाभदायक है।

बैंक में खाता खोलना- बैंक में खाता खोलना अत्यन्त आसान है। खाता खोलने के लिए एक फॉर्म भरकर देना पड़ता है तथा खाते के प्रकार का चुनाव करना पड़ता है। साथ ही दो फोटो व निवास प्रमाण पत्र देना पड़ता है। खाता खुलने की स्वीकृति मिलने के बाद बैंक खाते का क्रमांक, पास बुक व चैक बुक देता है जिससे खाते में लेन-देन किया जा सके। खाते में जमा राशि पर बैंक ब्याज देती है जो समय-समय पर बदलती रहती है। वरिष्ठ नागरिकों को प्रत्येक बैंक 0.5 प्रतिशत ब्याज अतिरिक्त देता है।

(2) डाकघर बचत बैंक- अल्प बचत को प्रोत्साहन देने के लिए भारत सरकार द्वारा डाकघर बचत बैंक की स्थापना की गई जिसका मुख्य उद्देश्य जनता को अल्प बचत के लिए प्रोत्साहित करना है, जिन गाँवों में बैंक नहीं हैं वहां अल्प बचत का एकमात्र साधन डाकघर है। पूरे देश में डाकघर की सुविधा सभी जगह उपलब्ध है। इसमें अशिक्षित व्यक्ति भी जाकर आसानी से खाता खुलवा सकता है।

डाकघर में खाते के प्रकार

(i) **डाकघर बचत खाता-** कोई भी व्यक्ति डाकघर में अपने नाम या संयुक्त नाम से कम पैसे से खाता खुलवा सकता है। बचत खाते में सप्ताह में कभी भी पैसे जमा करा सकते हैं लेकिन दो बार ही निकाल सकते हैं। खाते में जमा पैसे पर डाकघर बैंक से अधिक ब्याज देता है।

(ii) **डाकघर मासिक आय योजना-** इस योजना में व्यक्ति को प्रतिमाह निश्चित धनराशि जमा करानी पड़ती है। ब्याज की दर प्रतिवर्ष बदलती रहती है।

(iii) **डाकघर सावधि जमा योजना-** इस योजना के तहत व्यक्ति 1 वर्ष से 5 वर्ष के लिए खाता खुलवा सकता है। इस खाते में ब्याज का भुगतान प्रतिवर्ष किया जाता है। आवश्यकता पड़ने पर अगर खाता जल्दी बंद करवाना चाहे तो ब्याज की दर 1-2 प्रतिशत कम मिलती है और जमा राशि खाताधारक को मिल जाती है।

(iv) **डाकघर आवर्ती जमा योजना-** इस खाते को खोलने के लिए एक निश्चित राशि नियमित अंतराल पर जमा करानी पड़ती है तथा 5 वर्ष पूर्ण होने पर 7-8प्रतिशत ब्याज के साथ पूरा पैसा वापस मिल जाता है।

(v) **राष्ट्रीय बचत पत्र-** यह योजना अल्पबचत को प्रोत्साहन देने के लिए चलाई गई। यह डाकघर की महत्त्वपूर्ण योजना है। व्यक्ति अपनी इच्छानुसार राशि का निवेश करके बचत पत्र खरीद सकता है। इसमें डाकघर द्वारा एक सर्टिफिकेट दिया जाता है। 6वर्ष बाद वह सर्टिफिकेट दिखाकर व्यक्ति डाकघर से ब्याज सहित पैसा वापस प्राप्त कर सकता है। राष्ट्रीय बचत पत्र पर विस्तृत जानकारी दी जाती है। इसमें व्यक्ति उसी डाकघर से वापस ले सकता है, जिससे उसने सर्टिफिकेट खरीदा।

(vi) **किसान विकास पत्र-** यह भी राष्ट्रीय बचत पत्र जैसी ही योजना है। इसमें पोस्ट मास्टर को एक फॉर्म भरकर देना पड़ता है, जाँच के बाद विकास पत्र जारी हो जाता है। इसमें 8½ वर्ष बाद जमा धन दुगुना हो जाता है। इसका भुगतान भी निश्चित अवधि के बाद होता है।

3. जीवन बीमा

जीवन बीमा बचत एवं विनियोग का अत्यन्त महत्त्वपूर्ण एवं साधन प्रचलित है। इसका उद्देश्य 'आपका कल्याण ही मेरा उत्तरदायित्व है।'

आज की जिन्दगी बहुत तनावपूर्ण, कष्टदायी एवं भागदौड़ वाली

है। कब किसके साथ क्या दुर्घटना घट जाए कहना मुश्किल है, परन्तु संकट के समय जीवन बीमा व्यक्ति के जीवन में उजाला लाता है व परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है।

जीवन बीमा भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीयकृत है। इसकी स्थापना 1956में हुई। जीवन बीमा कम्पनी आज हर वर्ग के लिए कई योजनाएँ चला रही है। यह अनिश्चित भविष्य को सुरक्षित करने की योजना है।

यह एक सुनिश्चित योजना है। यह एक मात्र ऐसी संस्था है जो सुरक्षा देकर जोखित कम करता है। जीवन बीमा में आकस्मिक दुर्घटना होने या बीमाधारक की असमय मृत्यु होने पर उसके द्वारा बीमित धन की राशि उसके उत्तराधिकारी को दे दी जाती है। बीमा धारक की मृत्यु हो जाने पर आगामी किश्त चुकाये बिना पूरा धन, बोनस के सहित आश्रित परिवारजनों को दे दिया जाता है।

जीवन बीमा से व्यक्ति आर्थिक रूप से सुरक्षित रहता है। आवश्यकता पड़ने पर जमा राशि का 75 प्रतिशत ऋण भी ले सकता है। इसमें आयकर में छूट मिलती है। अल्प बचत को प्रोत्साहन मिलता है।

जीवन बीमा कराते समय कुछ शर्तें होती हैं। जैसे-व्यक्ति शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए, वंशानुगत रोग नहीं होने चाहिए। बीमा कम्पनी द्वारा बीमा योजना की समयावधि एवं राशि निश्चित रहती है।

इसमें व्यक्ति 3 महीन, 6महीने या 1 वर्ष में प्रीमियम का भुगतान एक निश्चित अवधि तक करता है, उसके बदले में एक पत्र मिलता है, उसे पॉलिसी कहते हैं। जिस पर योजना की विस्तृत जानकारी एवं बीमा धारक की जानकारी भी होती है। समय अवधि पूर्ण होने पर मूल राशि बोनस सहित वापस मिल जाती है।

जीवन बीमा के प्रकार-

(i) आजीवन बीमा- इस योजना में व्यक्ति जीवनभर प्रीमियम भरता है व उसके मरने पर उत्तराधिकारी को सारा पैसा मिलता है। बीमा धारक स्वयं इस योजना का लाभ नहीं उठा सकता है।

(ii) बन्दोबस्ती बीमा- यह योजना निश्चित समय के लिए होती है। समय पूर्ण होने पर पैसा वापस मिल जाता है और अगर बीच में बीमाधारक की मृत्यु हो जाए तो पूरा पैसा समय पूर्व ही उत्तराधिकारी को मिल जाता है।

जीवन बीमा की योजनाओं में समय के अनुसार फेरबदल होता रहता है। आजकल योजनाएँ जैसे- जीवन आनन्द, पेंशन योजना, जीवन सुरभी, बच्चों एवं प्रौढ़ों के लिए पॉलिसी, गृहलक्ष्मी इत्यादि चल रही है। आजकल चिकित्सा बीमा भी बहुत प्रचलित है, जिसमें व्यक्ति के बीमार पड़ने पर सारा खर्चा बीमा कम्पनी द्वारा दिया जाता है।

(4) यूनिट ट्रस्ट ऑफ इण्डिया- इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा 1964 में की गई। इसमें लोगों की बचत को उद्योगों में निवेश किया जाता है और प्राप्त लाभांश का 90 प्रतिशत भाग विनियोग कर्ताओं में बाँट दिया जाता है। इस योजना में एक यूनिट 10 रुपये का होता है और एक व्यक्ति को कम-से-कम 10 यूनिट खरीदने आवश्यक हैं। इन्हें पोस्ट ऑफिस, बैंक, एजेन्ट कहीं से भी खरीदे जा सकते हैं। इसकी आय, आयकर से मुक्त रहती है।

(5) भविष्य निधि योजना- यह बचत योजना सरकारी व गैर सरकारी क्षेत्र में नौकरी करने वाले के लिए अनिवार्य है। इसमें हर महीने एक निश्चित राशि व्यक्ति के वेतन से कटौती होकर भविष्य निधि कोष में जमा की जाती है, जो कि सेवानिवृत्ति के समय राशि 8प्रतिशत ब्याज की दर लगाकर वापस मिलती है। अगर व्यक्ति को बीच में पैसों की जरूरत है तो वह खाते से पैसे निकलवा भी सकता है, इसमें जमा पैसों पर आयकर में छूट मिलती है।

विनियोग के साधनों का चुनाव- आजकल विनियोग के बहुत साधन उपलब्ध हैं। परन्तु साधन का चुनाव सोच-समझ कर करना चाहिए। हमेशा सरकारी संस्थाओं में पैसा लगाना चाहिए, जो सुरक्षित रहता है।

विनियोजन करते समय आय के अनुसार निवेश करना चाहिए। जो आसानी से प्रतिमाह दिया जा सके। साथ ही ऐसी योजना में पैसा निवेश करना चाहिए जिसमें ब्याज दर अच्छी और आवश्यकता पड़ने पर धन आसानी से निकाला जा सके।

महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

1. व्यक्ति भविष्य की आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए बचत करता है।
2. बचत की गई राशि को घर में न रखकर आर्थिक संस्था में लगाना चाहिये जिससे आय में वृद्धि हो। यह प्रोसेस विनियोजन कहलाता है।
3. विनियोजन के प्रमुख तीन साधन बैंक, पोस्ट ऑफिस, जीवन बीमा।
4. विनियोजन करने से व्यक्ति को बचत राशि पर ब्याज मिलता है, जिससे आय में वृद्धि के साथ-साथ व्यक्ति का भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित रहता है।

अभ्यासार्थ प्रश्न :

1. निम्न प्रश्नों के सही उत्तर चुनें :

(i) विनियोग के प्रमुख साधन हैं?

(अ) बैंक (ब) डाकघर

(स) जीवन बीमा (द) उपरोक्त सभी

(ii) वह बचत जो नौकरी करने वालों के लिए अनिवार्य है।

(अ) यूनिट ट्रस्ट (ब) लॉटरी

(स) जीवन बीमा (द) भविष्य निधि योजना

(iii) वह खाता जिसमें व्यापारियों का लेन-देन होता है, कहलाता है?

(अ) बचत खाता (ब) आवर्तित जमा खाता

(स) चालू खाता (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(iv) सरकार में छोटी-छोटी बचत को प्रोत्साहित करने के लिए संस्था की स्थापना की है।

(अ) बैंक (ब) जीन बीमा

(स) डाकघर (द) उपरोक्त सभी

(v) बीमा जिसमें व्यक्ति स्वयं उसका लाभ नहीं उता सकता है, कहलाता है?

(अ) आजीवन बीमा (ब) बन्दोबस्ती बीमा

(स) जीवन आनन्द (द) कोई नहीं

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये-

1. ..... जमा योजना के अन्तर्गत व्यक्ति एक निश्चित राशि ..... निश्चित समय के लिए बैंक में जमा करवाता है।
2. बैंक द्वारा ..... खाता खुलवाने पर दी जाती है जिसमें लेन-देन का ब्यौरा रहता है।
3. सेवानिवृत्ति के समय एकमुश्त राशि ..... योजना में मिलती है।
4. जीवन बीमा की स्थापना सन् ..... में हुई।
5. बीमित राशि का ..... ऋण लिया जा सकता है।

3. विनियोजन की परिभाषा लिखिये।

4. व्यक्ति के जीवन में जीवन बीमा के महत्त्व को लिखिये।

5. किसी भी संस्था में विनियोजन करते समय क्या-क्या ध्यान रखना चाहिए, समझाइये।

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

(अ) बैंक बचत खाता (ब) यूनिट ट्रस्ट ऑफ इण्डिया

(स) आजीवन बीमा (द) डाकघर

उत्तरमाला :

(i) (द) (ii) (द) (iii) (स) (iv) (स) (v) (अ)

1. आवर्ती, प्रतिमाह 2. पासबुक 3. भविष्य निधि 4. 1956 5. 75%